MA. Samskrit Code Mc (446)

Set No. 1

Ouestion Booklet No.

00130

1.	7 D	171	7 /	77	(=)
L	/ [/24	41.	44	IJ

	(To be fi	lled up	by the can	didate by	blue/bla	ck ball-	point pen)		
Roll No.						8			
Serial No. Day and I	12		1000 C 1000		97		(Signatur	3 ·	tor)

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

(Use only bine/black ball-point pen in the space above and on both sides of the Answer Sheet)

- 1. Within 30 minutes of the issue of the Question Booklet, check the Question Booklet to ensure that it contains all the pages in correct sequence and that no page/question is missing. In case of faulty Question Booklet bring it to the notice of the Superintendent/Invigilators immediately to obtain a fresh Question Booklet.
- 2. Do not bring any loose paper, written or blank, inside the Examination Hall except the Admit Card without its envelope.
- 3. A separate Answer Sheet is given. It should not be folded or mutilated. A second Answer Sheet shall not be provided. Only the Answer Sheet will be evaluated.
- 4. Write your Roll Number and Serial Number of the Answer Sheet by pen in the space provided above.
- 5. On the front page of the Answer Sheet, write by pen your Roll Number in the space provided at the top and by darkening the circles at the bottom. Also, wherever applicable, write the Question Booklet Number and the Set Number in appropriate places.
- 6. No overwriting is allowed in the entries of Roll No., Question Booklet no. and Set no. (if any) on OME sheet and Roll No. and OME sheet no. on the Question Booklet.
- 7. Any change in the aforesaid entries is to be verified in the invigilator, otherwise it will be taken as unfairmeans.
- 8. Each question in this Booklet is followed by four alternative answers. For each question, you are to record the correct option on the Answer Sheet by darkening the appropriate circle in the corresponding row of the Answer Sheet, by pen as mentioned in the guidelines given on the first page of the Answer Sheet.
- 9. For each question, darken only one circle on the Answer Sheet. If you darken more than one circle or darken a circle partially, the answer will be treated as incorrect.
- 19. Note that the answer once filled in ink cannot be changed. If you do not wish to attempt a question, leave all the circles in the corresponding row blank (such question will be awarded zero marks).
- 11. For rough work, use the inner back page of the title cover and the blank page at the end of this
- 12. Deposit only OMR Answer Sheet at the end of the Test.
- 13. You are not permitted to leave the Examination Hall until the end of the Test.
- 14. If a candidate assempts to use any form of unfair means, he/she shall be liable to such punishment as the University may determine and impass on him/her.

72.

Total No. of Printed Pages : 32

[उपर्युक्त निर्देश हिन्दी में अन्तिम आवरण पृष्ठ घर दिये गए है।]

SEA

ROUGH WORK रफ़ कार्य

۰.

÷.

•

.

•

.

. .

.

•

. 201

,

M.A. Samskrit code No, (446)



No. of Questions : 120 प्रश्मों की संख्या : 120

Time : 2 Hours

समय : दो घण्टे

Full Marks : 360

पूर्णीक : 360

Note : (1) Attempt as many questions as you can. Each question carries 3 (three) marks. One mark will be deducted for each incorrect answer. Zero mark will be awarded for each unattempted question.

> अधिकाधिक प्रश्नों को हल करने का प्रत्यतन करें प्रत्येक प्रश्न 3 (तीन) अंकों का है। प्रत्येक गलत उत्तर के लिए एक अंक काटा जायेगा। प्रत्येक अनुत्तरित प्रश्न का प्राप्तांक शूच्य होगा।

01. दुग्धदोहा निरिन्द्रिया''- is a sentence piece of :

- (1) ईशोपनिषद् (2) छान्दोग्योपनिषद्
 - (3) कठोपनिषद् (4) केनोपनिषद्

02. "तत्त्वंपूषज्ञपावृणु" is found mentioned in :

- (1) ईशावास्योपनिषद् (2) छान्दोग्योपनिषद्
- (3) छान्दोग्यब्राह्मण (4) तैत्तिरीयोपनिषद

03. कठोपनिषद् is a उपनिषद् of :

- (1) अथर्ववेद (2) ऋग्वेद
- (3) कृष्णयजुर्वेद (4) सामवेद

3

04. काण्वशाखा belongs to :

(1)	शुक्लयजुर्वेद	(2)	कृष्णयजुर्वेद
(3)	सामवेद	(4)	ऋग्वेद

05. याज्ञवल्क्यशिक्षा is related with :

(2) सामवेद ऋग्वेद (1) (4) शुक्लयजुर्वेद अधर्ववेद (3)

06. वर्षा का अधिष्ठातृ देव (Residing deity of rain is) है : पर्जन्य (2) (1) प्रजापति

इन्द्र (4) (3) नदी

07. The total No. of Adhyayas in s'uklayajurveda is :

शुक्ल--यजु: संहिता में अध्यायों की संख्या है : 40 (2)30 (1) 10

(4) (3) 20

08. सांख्यायन आरण्यक belongs to :

यजुर्वेद (2)(1) ऋग्वेद अथर्ववेद (4) (3) सामवेद

- 09. Smelling organ of veda is :
 - वेद की नासिकास्थानीय है :

•

(1) পিহক্ক হিশ্বো (2) (3)व्याकरण (4)

10. The sentence - "वेदोऽखिलो धर्ममूलम्" is found mentioned in- (उपर्युक्त वेदोऽखिलो॰ श्लोक है) : ,

कल्प

- (1) याज्ञवल्क्यस्मृति (2) मनुस्मृति
 - (3) पराशरस्मृति (4) गौतमधर्मसूत्र
- 11. The authorised person whom created virata purusha for further creation is :

सृष्टि के लिए विराटपुरुष ने उत्पन्न किया- वह है

(1) इन्द्र (2) मनु (3) वरुण (4) जल

12. Inclination with fruit of acts is not appreciated is said by : फल की इच्छा प्रशस्त नहीं होती- यह धारणा है :

- (1) व्यास की (2) मनु की
- (3) यास्क की (4) प्रजापति की

5

13. "आत्मनस्तुष्टिरेवच" is said by (यह वक्य है) :

- (1) याज्ञवल्क्य (2) भगवान् कृष्ण
- (3) मनु (4) वाल्मीकि
- 14. "ब्रह्मर्षि देश" Covers the area of :
 - (1) काशी
 (2) तिरुपति
 (3) कुरुक्षेत्र
 (4) बंगाल
- 15. 'केशान्त: षोडशेवर्षे' is the saying of :
 - (1) हारीत (2) मनु
 - (3) याज्ञवल्क्य (4) विदुर

16. The eleventh sense organ, according to Manu is :

मनु के अनुसार ग्यारहवीं इन्द्रिय है :

- (1) बुद्धि (2) अहंकार
- (3) मन (4) चित्त

17. 'न जातुकाम: कामानाम् उपभोगेन शाम्यति is the teaching of :

(1) मनु
 (2) व्यास
 (3) धृतराष्ट्र
 (4) अर्जुन

18. वेदत्रयी में गणना नहीं होती - Which one is not counted in vedatrayi :

- (1) सामवेद की (2) अर्थवेद की
- (3) यजुर्वेद की (4) ऋग्वेद की
- 19. The seer of Gayatri Mantra is :

गायत्रीमंत्र के ऋषि है :

- (1) বনিষ্ঠ (2) বিশ্বাদির
- (3) अथवी (4) प्रजापति

20. There is a special लेकार in veda named :

वेद में एक विशेष लकार होता है - वह है :

- (1) लट् लकार (2) लुङ्लकार
- (3) लेद्लकार (4) लृङ्लकार
- 21. Which one is called vedic meter in following :

निम्नलिखित में से कौन-सा वैदिक छन्द है ?

- (1) उपजाति (2) वंशस्य
- (3) मन्द्राक्रान्ता (4) गायत्री

22. 'खम् ब्रह्म'' is read in - (खम् ब्रह्म मिलता है) :

- (1) ऋग्वेद में
 (2) शुक्लयजुर्वेद में
 (3) सामवेद में
 (4) अधर्ववेद में
- **23.** "जातवेदस्" is the name of :
 - (1) चन्द्रमा (2) अग्नि
 - (3) विद्युत (4) मेघ
- 24. The Vedangas are mentioned in : वेदांगों का उल्लेख करती है :
 - (1) ईशोपनिषद् (2) मुण्डकोपनिषद्
 - (3) कठोपनिषद् (4) केनोपनिषद्
- 25. Adhvaryu's veda is :

अध्वर्यु से सम्बन्धित वेद है :

- (1) ऋग्वेद (2) यजुर्वेद
- (3) सामवेद (4) अथर्ववेद
 - 8

•

26.	चन्द्ररथा is an epithet of :		a.
	चन्द्ररथा विशेषण है :		*
	(1) नदी का	(2)	सरस्वती का
	(3) উপাক্ষ	(4)	सविता का
27.	सर्गतक: means :		28) - 58
	सर्गतकः का अर्थ है :	×.	
•	(1) गमनाय प्रवृत्त:	(2)	स्वर्गे प्रवृत्तः
	(3) लोके प्रवृत्त:	(4)	मोक्षे प्रवृत्त;
28.	सुऋतुः means :		
	सुक्रतु : का अर्थ है :		
	(1) शोभनकर्मा	(2)	यश:
	(3) सुधर्म:	(4)	सदाचार:
29.	The chapters in Manusmriti - is :		
	मनुस्मृति में अध्यायों की संख्या है :		12

- (1) 10 (2) 13
- (3) 12

(4) 20

9

30. Begging of alms is prohibited from : मनु के अनुसार भिक्षाटन का स्थान नहीं है : (1) सामान्य लोग (2) गृहस्थ (4) क्षत्रिय का घर (3) गुरु का घर 31. जनवाद: Means : जनवाद: का अर्थ है (1) निन्दा (2) झगड़ा (4) आक्षेप (3) चुगली 32. Fool's armour is silence is the saying of : मौन रहना मूर्खों का भूषण है – यह कथन है : (1) भर्तृहरि (2) बृहस्पति (3) गौतम (4) मनु 33. विवेकभ्राष्टानां भवति विनिपात: शतमुख: - is the saying of : याज्ञवल्क्य (2)(1) मनु भर्तृहरि (4) (3) चाणक्य

34. सातगुणों से हीन व्यक्ति को पशु माना है :

	(1)	बृहस्पति ने		(2)	भर्तृहरि ने
	(3)	मनु ने		(4)	परशुराम ने
35.	ধ্বুম্বো	H means:			
	क्षुत्स	ाम का अर्थ है :			
	(1)	दुबलापतला		(2)	मोटातगड़ा
	(3)	भूख से क्षीण हुआ		(4)	वृद्धावस्था के कारण दुबला
36.	"स	जातो येन जातेन यातिवंश: स	मुत्रतिम्."th	is se	ntence is found mentioned in :
	(1)	मनुस्मृति	Y.	(2)	' याज्ञवल्क्यस्मृति
	(3)	नीतिशतक		(4)	विदुरनीति
37.	अंगुष्ठ	मात्र: पुरुष : is found n	nentioned	(बह	पाया जाता है) :
		ईशापास्योपनिषद्	1	(2)	कंठोपनिषद्
	(3)	प्रश्नोपनिषद्		(4)	केनोपनिषद्
22.0		ikta is a work of :		A 18	
		क के रचनाकार हैं :	4.7		
	(1)	आचार्य यास्क		(2)	याणिमि
	(3)	स्वामीदयानन्द सरस्वती	-		
	(0)	CALING ALINA SICCOLL		(4)	आचार्य दुर्ग
1993					- 70

11

.

- 39. वेदविकृतिपाठ includes : वेदविकृतिपाठ के अन्तर्गत आता है : (1) संहिता पाठ (2)जटापाठ (3) पदपाठ (4) क्रमपाठ 40. 'तेऽवर्धन्त' is an example of (in veda) : (1) प्रशिलष्टसन्धि क्षैप्रसन्धि (2) (3) अभिनिहितसन्धि अन्वक्षरसन्धि (4) 41. ऐतरेय ब्राह्मण belongs to : ऐतरेय ब्राह्मण सम्बन्धित है : (2) सामवेद (1) यजुर्वेद (3) ऋग्वेद अधर्ववेद (4) 42. The following sentence is a feature of : परधने परयोषिति च स्पृहा-लक्षण है : (1) चोर का लोभी का (2)
 - (3) दुर्जन का (4) सामान्य जन का
 - 12

43. The gender of "अरणि:" is :

"अरणि:" शब्द है :

- (1) पुल्लिंग . (2) स्त्रीलिंग
- (3) नर्षुंसक (4) अव्यय

44. The gender of Eq:' is :

. 'हविः' सब्द है :

- (1) खीलिंग (2) पुल्लिंग
- (3) नर्षुसक (4) निपात

45. According to R.C. Dutta the time of Kalidas goes to :

R.C. Dutta के अनुसार कालिदास का समय है ;

- (1) 500 556 A.D. (2) 300 400 A.D.
- (3) 300 350 A.D. (4) 400 450 A.D.

46. Kumarsambhava has the 积1 :

कुमारसंभव में सगौं की संख्या है :

- (1) 20 (2) 21
- (3) 13

i

(4) . 17

13

- 47. पश्यामीव पिनाकिनम् in this piece of stanza the figure of speech is : पश्यामीव पिनाकिनम् अलंकार है :
 - (1) उपमा (2) उत्प्रेक्षा
 - (3) निदर्शना (4) भ्रान्तिमान

48. The meaning of "आतपलंघनात्" is : "आतपलंघनात्" का अर्थ है :

- (1) लू लगने से (2) पसीना निकलने से
- (3) सिर चकराने से (4) बुखार लगने से

49. The name of Sakuntala's friend is :

शकुन्तला की एक सहेली का नाम है :

- (1) प्रियंवदा (2) अरुन्धती
- (3) गौतमी (4) अदिति
- 50. मातलि is charioteer of :

मातलि सारथि है :

- (3) सर्वदमन का (4) भरत का

•

2

51.	रावण	ार्जुनीय is a work of :		
	(1)	कोलिदास	(2)	भवभूति
	(3)	बाणभट्ट	(4)	भीम
52.	मदार	तसाचम्पू is a literary work of :		
	मदार	तसाचम्पू ग्रंथ है :		
	(1)	सुबन्धु	(2)	बाणभट्ट
	(3)	त्रिक्किमभट्ट	(4)	सोमदेव
53.	वृत्तर	लाकार is a manual on :		
22	(1)	वैदिक छन्द	(2)	लौकिक छन्द
	(3)	जीवनवृत्त	(4)	ऐतिंहासिक वृतान्त
54.	Wri	ter of वृत्तरत्नाकर is :	•	
	(1)	पिंगल	(2)	सोमदेव
	(3)	श्रीमट्ट केदार	(4)	नारायणभट्ट
55.	मिथो	उनपेक्षचैतेषां स्थिति: defines (परिभा	षित क	रता है) :
	(1)	उपमा	(2)	उत्रेक्षा
	(3)	संसृष्टि:	(4)	निदर्शना

.

15

.

...

٩,

. . .

 \mathbf{r}_{i}

.

P.T.O.

•

56. The subject matter of the tenth canto (दशवें परिच्छेद) of सहित्य दर्पण is :

9	(1)	नाट्यसिद्धान्त	(2)	अलंकार
	(3)	छन्द	(4)	रस
57.	पत्रले	I is a lady character in :		
	(1)	शिवराजविजय	(2)	वासवदत्ता
	(3)	कादम्बरी	(4)	स्वप्नवासवदत्ता
58.	चन्द्रा	पीड is a Hero in :		
	(1)	हर्षचरित	(2)	कादम्बरी
	(3)	वासवदत्ता	(4)	शिवराजविजय
59.	गुणार्	नुरोधेन विना न सक्तिया is read in :		
	गुणार्	रुरोधेन विना न सक्तिया पढ़ा गया है :		
	(1)	शिशुपालवध	(2)	हर्षचरित
	(3)	किरातार्जुनीय	(4)	रघुवंश
60.	"वृन	ोदर:'' in किरातार्जुनीयम् is used fo	or:	
	''वृक	ोदर:'' में किरातार्जुनीयम् के लिए प्रयोग	। है :	
•	(1)	अर्जुन	(2)	भीम
	(3)	युधिष्ठिर	(4)	नकुल

16

÷

01.	canto (प्रथम समी) is :	तोक संख्या किरातार्जुनीयम्) of किराता	
		•	*
	किरातार्जुनीयम् में प्रथम समं है :		
	(1) 46	(2) 56	25
•11	(3) 36	(4) 32	•••
62.	"शिवारुप" means :	67 (*	
	"शिवारुप" का अर्थ है :	* s	13
	(1) शृंगाल या गीदड़ियों के शब	द (2) मंगलघ्वनि	а •
	(3) पार्बती की वाणी	(4) अमंगलशब्द	•
63.	. पराभवोऽप्युत्सव एव मानिनाम् is	a maxim of :	
	पराभवोऽप्युत्सव एव मानिनाम् सु	कि है: ,	
	(1) माघ	(2) कालिदास	[°]
	(3) ৰাগ	(4) भारवि	
64	. In मंगलाचरण of रघुवेश Kal	idas remembers :	
13	(1) लक्ष्मीनारायण	(2) राधा-कृष्ण	
	(3) पार्वती-परमेश्वर	(4) सीताराम	

17 5.0

.

P.T.O.

65. The number of सर्ग : in रघुवंशम् is : रघुवंशम् में सगौं की संख्या : (1) 20 (2) 21 (3) 19 (4) 18 66. There are 6 सर्ग in : छ: सर्ग हैं : (1) शिशुपालवध (2) ऋतुसंहार (3) किरातार्जुनीय नैषधचरित (4) 67. The epic that comes under वृहत्रयी is : मेघदूत (1) (2) रघुवंश (4) किरातर्जुनीय (3) ऋतुसंहार 68. अर्थगौरवम् is a main feature of the work of : (1) कालिदास (2)माघ भारवि (3) (4) हर्ष 69. अयं यज्ञों भुवनस्य नाभि: is found mentioned in : किरातार्जुनीयम् (1) अभिज्ञानशाकुन्तलम् (2) (4) ऋग्वेद (3) शिशुपालवधम्

70.	''अस	च्च सच्च'' th	is sentence is	found me	entioned in :	1 0)
	''अस	च्च सच्चं'' उल्	लेख करता है :		3 2	
	(1)	साख्यकारिका	4	(2)	सांख्यसूत्र	۲ ب
	(3)	ऋग्वेद	1	(4)	वेदान्तसार	
71.	The	act of अध्वर्यु	is called :		81	
	নাচ্ব	र्यु के कर्म को	कहा आता है :	ч 1		Ţ.
	(1)	हौत्र		(2)	औद्गात्र	25
	(3)	आध्वर्यव	12 ¹²	(4)	ब्राह्म	
72.	The	Author of a	जन्यादर्शे is :			8
	काव्य	पादर्श का रचयि	ता हैं : '			
5	(1)	क्षेमेन्द्र		(2)	शंकुक	•
	(3)	अभिनवगुप्त	38.T	(4)	दण्डी	,
73.	হিাহ্য	মালবদ 's sul	oject is based o	on:	4 10	
	হিছে	पालवध का उप	ाजीव्य है :	8		
	(1)	रामायण	57 ₆₇	(2)	महाभारत	
	(3)	पद्मपुराण	8. <i>6</i> .	(4)	विष्णुपुराषा	
						÷ *
			·	19		

j,

19

.

P.T.O.

.

74	. दृश्यकाव्य is also called :		š. _s e	
	दृश्यकाव्य का दूसरा नाम है :			
	(1) महाकाव्य	(2)	रूपक	
	(3) काव्य	(4)	खण्डकाव्य	
75.	श्रिय: पति: श्रीमतिशासितुं जगत् is a ser	itence	of :	
	श्रियः पति: श्रीमतिशासितुं जगत् है :			
	(1) भारवि	(2)	कालिदास	
	(3) माध	(4)	हर्ष	
76.	श्रियः कुरुणामधिपस्य पालनीम् is found	menti	oned in :	
	श्रियः कुरुणामधिषस्य पालनीम् का उल्लेख	करने व	बाला ग्रन्थ हैं :	
8. •	(1) किरातार्जुनीयम्	(2)	शिुशपालवधम्	
2	(3) नैषधचरितम्	(4)	रघुवंश	
77.	प्रभुर्बुभूषु: this word is found mention	oned i	n :	
	प्रभुर्बुभूषुः शब्द का उल्लेख करने वाला ग्रन	व है :		
	(1) किरातार्जुनीयम्	(2)	शिुशपालवधम्	

3040

•22

9 9 E 2

143

(3) नैषधचरितम् (4) रघुवंश

æ

78. "ययु:" this verb is framed in : ÷ ''ययु:'' बनता है : (2), लिट्लकार में (1) लङ्लकार में (4) लद्लकार में लुट्लकार में (3) 79. द्विजिह्नतादोषभजिह्नगामिभि: is found mentioned in : द्विजिद्धतादोषभजिह्नगामिभिः वाक्य अधोलिखित में से किसका है : (1) कादम्बरी (2) रघुवंश (4) शिशुपालवध (3) किरातार्जुनीय 80. सतीव यौषित् प्रकृतिः सुनिश्चिला पुमांसमम्येति भवान्तरेष्वपि is a maxim of : सतीव योषित् प्रकृति: सुनिश्चिला पुमांसमम्येति भवान्तरेष्वपि सूति किसकी है ? (2) बाणभट्ट (1) कालिदास (3) मांघ (4) भारबि 81. The author of the Introduction to comparative philology is : 'तुलनात्मक भाषाविज्ञान का परिचय'' इस का मूल लेखक है : मोलानाथ तिवारी (2) पी॰डी॰ गुणे (1) (3) भोलाशंकर व्यास (4) पं० रामावतार शर्मा

21

 $^{\rm C}$

82. The thing that having changed its character takes different shape is called (in Vedant) : अपने मूल स्वरूप को त्यागकर (विकृत कर) अन्यरूप को ग्रहण करने वाली वस्तु को (वेदान्त में) कहते हैं : (1) विकार विवर्त (2)(3) सत्य (4) असत्य 83. मेघदूत is called : मेघदूत कहा जाता है : (1) खण्डकाव्य (2)गद्यकाव्य (3) महाकाव्य चम्पूकाव्य $\{4\}$ 84. The author of न्यायसूत्र is : न्यायसूत्र के रचनाकार हैं : (1) कपिल (2) गौतम (4) ईश्वरकृष्ण (3) कणाद 85. The theory of सत्कार्यवाद is mentioned in : सत्कार्यवाद का उल्लेख है : (2) सांख्यदर्शन में (1) न्याय दर्शन में (3) बौद्धदर्शन में (4) मीमांसादर्शन में

 \mathbb{R}^{n}

2

• •

.

.

10

96	" ना र	त्या" in Rgveda ha	s heen user	d for i	0	
80.		त्या'' किस देवता के लि	5			
	नास	त्या । कस दवता क । ए	୩୯ ଅଅଂସର ୩	अथुक्त ।	Q f	
	(1)	इन्द्र	7 v	(2)	अश्विनौ	
	(3)	नासदीयसूक्त		(4)	वरूण	12
87	. सर्गब	F4 applies to :				-
	सर्गव	न्य वाला होता है :				10
	(1)	खण्डकाव्य		(2)	नाटक	
	(3)	महाकाव्य	•	(4)	प्रकरण	зе
88	. The	work of इरिकृष्णशासि	अदातार is :			
·	हरिव	फ्र्यासास्त्रिदातार को रच	ना है :	54.7		
	(1)	वैदिकवाङ्मय का इति	हास	(2)	वैदिकसाहित्य एवं संस्कृति	
62	(3)	वैदिक साहित्य का इति	तहास	(4)		•
89	. Acc	ording to विश्वनाय a	lso रूपक ar	e of :	22.07	
	বিশ্ব	नाथ के अनुसार भी रूप	कः:			
	(1)	आठ प्रकार (8-kind	s)	(2)	दस प्रकार (10-kinds)	
	(3)	बारह प्रकार (12-kin	ids)	(4)	छ: प्रकार (6-kinds)	3
		موجد م	•	2	~	
			23	.	·- · · · ·	P.T.O.

90. ख्यातवृत्तं पञ्चसन्धि are the factors of : ख्यातवृत्त पञ्चसन्धि जिससे सम्बन्धित है वह है : (1) महाकाव्य (2) चम्पूकाव्य (3) नाटक (4) कथा 91. वीथी is a kind of : वीथी एक प्रकार है : (1) कथा साहित्य (2)पद्यकाव्य (3) चम्पूकाव्य (4) रूपक का 92. "प्रकरण" becomes based on : ''प्रकरण'' का आधार होता है : (1) इतिहास पुराण कथा (2) कविकल्पना (3) रामायण (4) महाभारत 93. "धूर्तचरितो नानाऽवस्थान्तरात्मक:" is a definition of : ''धूर्तचरितो नानाऽवस्थान्तरात्मक:'' परिभाषा जिसकी है वह है : (1) व्यायोग (2) भाण (4) डिम (3) समवकार

94.	The lineage of बाणभट्ट includes	:	
	बाणभट्ट की वंशावली में शामिल हैं :		
	(1) चित्रमानु	(2)	माध
	(3) मारवि	(4)	दाक्षि
95 .	"शाल्मलीतरू" is found mention	ed in :	
	"शाल्मलीतरू" का वर्णन करने वाला उ	न्य है :	
	(1) वासवदत्ता	(2)	हर्षचरित
	(3) जिवराजनिजय	(4)	कादम्बरी
96.	सेन्द्रायुधम् means :		n (* 1
	सेन्द्रायुधम् का अर्थ होता है :		
	(1) सुन्दर आयुध	(2)	इन्द्रायुष
	(3) इन्द्रायुध के साथ	(4)	इन्द्र के साथ युद्ध
97	. The sage Jabali is found men	3050 	0 8
		3	2 12

. .

जाबालिमुनि का वर्णन जिस गद्यकाव्य में सिलता है बह है :

(1)	वासवदत्ता	(2)	हर्षचरित

(3) शिवराजविजय

(4) कादम्बरी

25

98. Kadambari is divided in to :

कादम्बरी विभक्त है :

- (1) दो भागों में (2) तीन भागों में
- (3) चार भागों में (4) पाँच भागों में

99. रत्नावली comes under the faculty of :

रत्नावली की जिस विधा में गणना होती है वह है :

- (1) रूपक (2) कथासाहित्य
- (3) महाकाव्य (4) उपरूपक

100. In poetry, where happens act's without reason is called :

कारण के बिना जहाँ कार्य उत्पन्न हो उस काव्य में स्थित अलंकार है :

- (1) विशेषोक्ति (2) विभावना
- (3) अर्थान्तरन्यास (4) हेतु

101. The metre in which F, H, H, K group of syllables are set orderly is called :

जिस छन्द के प्रत्येक चरण में क्रमशः न, भ, भ, र-गण हो उसे कहते हैं :

- (1) वसन्ततिलका (2) द्रुतविलम्बित
- (3) वंशस्थ (4) मन्द्राक्रान्ता

102. The metre in which comes four य, group (पण) is called : जिस छन्द में चार य, गण हो वह हैं : (2) विद्युन्माला (1) शिखरिणी (3) त्रोटक (4) भुजङ्गप्रयात 103. The number of syllables in avera becomes : वंशस्य छन्द में वर्णों की संख्या होती है : (1) 15 (2) 12 (4) 17 (3) 11 104. इन्द्रवा bears two : इन्द्रवजा छन्द में होते हैं दो : त –गण (1) 'र'-गण (2)(3). 'म'--गण 'भ'-गण (4) 105.म-गम emerges out from : भ-गण में होते है : (2) तीन गुरुवर्ण (1) तीन लघुवर्ण (4) दो लघु -- एक गुरु (3) दो गुरु-एकलघु 106. Pick out the स-गण from the following : स-गण है निम्नलिखित में : S (1) 555 (2) (3) 221 112 (4)

P.T.O,

107. The प्रत्यय in कण्टकम् is : प्रत्यय में कण्टकम् है : (1) ण्वुल् (2) यु (3) अक् (4) क 108.In following words masculine neutral is (in sanskrit): निम्नस्थ शब्दों में उभयलिंगी पुल्लिंग-नपुंसक है (संस्कृत में) : (1) राम : जाया (2) (3) कुट (4) मन 109. The प्रत्यय in ब्राह्मण्यम् is : ब्राह्मण्यम् में प्रत्यय है : (1) ण्यत् (2)क्यप् (3)ष्यञ् (4) यत् 110. The प्रत्यय in the word अश्रम is : अश्रम शब्द में प्रत्यय है : अरक् (2) रुक् (3) रक् (4) अण् 111. When verbal root "यु" is combined with थक् प्रत्यय appears as : यु धातु से थक् प्रत्यय करने पर शब्द बनेगा : (1) युथम् (2)यूथम् (4) उधनम् (3) युद्धम्

.

.

.

· .

 \mathbb{R}^{d}

112. षट्त्सन्त	त: in this word a	ugment is :						
षट्त्सन	त: शब्द में आगम है	:		¥0.				
(1)	षुद्		(2)	तुक्				
(3)	तुद		(4)	टुक्				
113. वागीश	: Splited into :							
वागीशः का सन्धि विच्छेद होता है :								
(1)	वा चि + ईशः		(2)	वाक् + ईश:				
(3)	वाच + ईश:		(4)	वचि + ईशः				
114. धात्र	A: is an example	of:						
घात्त्रंश	तः उदाहरण है :							
(1)	गुणसन्धि		(2)	यण् सन्धि				
(3)	वृद्धि सन्धि		(4)	पूर्व रूप सन्धि				
115. आद्	गुण: this aphoris	m applies to	:					
आद्	गुण: सूत्र लागू होता।	t .:	12					
(1)	सुब्युपास्य:		(2)	मलाम्				
(3)	गङ्गौध:		(4)	उपेन्द्र:				
116. देवैश	धर्यम् is an examp	le of :		i.				
देवैश्व	र्यम् उदाहरण है :							
(1)	गुणसन्धि	8 .	(2)	वृद्धिसन्धि				
(3)	पररूपसन्धि		(4)	पूर्वरूपसन्धि				
	×		8	÷.				

2

117. करोम्यहम् is an example of :							
करोम्यहम् उदाहरण है :							
(1) वृद्धिसन्धि	(2)	गुण सन्धि					
(3) স্বকৃतিभाव	(4)	यण्सन्धि					
118. The panini aphorism of lop do ert is :							
लोप करने वाला सूत्र है :							
(1) तस्यलोप:	(2)	अदर्शनं लोप:					
(3) लुकश्लुलुप:	(4)	किङति च					
119. "जनता' takes the प्रत्यय :							
''जनता' में प्रत्यय है :							
(1) डाप्	(2)	तल्					
(3) चाप्	(4)	क्त					
120. औत्स: emerges from the combination of :							
औत्स: का निर्माण होता है निम्नलिखित रूप में :							
(1) उत्स + धञ्	(2)	उत्स + अञ्					
(3) उत्स + कञ्	(4)	उत्स + अण्					

30

•

1100

5

,

4

•

,

ι.

ROUGH WORK रफ़ कार्य

.

.

31

.

4

-,

.

.

•

•

١

1.490 Day -P.T.O.

.

अभ्यर्थियों के लिए निर्देश

(इस पुस्तिका के प्रथम आवरण पृष्ठ पर तथा उत्तर-पत्र के दोनों पृष्ठों पर केवल नीली-काली बाल-प्वाइंट पेन से ही लिखें)

- प्रश्न पुस्तिका मिलने के 30 मिनट के अन्दर ही देख लें कि प्रश्नपत्र में सभी पृष्ठ मौजूद हैं और कोई प्रश्न छूटा नहीं है। पुस्तिका दोषयुक्त पाये जाने पर इसकी सूचना तत्काल कक्ष-निरीक्षक को देकर सम्पूर्ण प्रश्नपत्र की दूसरी पुस्तिका प्राप्त कर लें।
- परीक्षा भवन में लिफाका रहित प्रवेश-पत्र के अतिरिक्त, लिखा या सादा कोई भी खुला कागज साथ में न लायें।
- उत्तर-पत्र अलग से दिया गया है। इसे न तो मोड़ें और न ही विकृत करें। दूसरा उत्तर-पत्र नहीं दिया जाबेगा। केवल उत्तर-पत्र का ही मूल्यांकन किया जायेगा।
- 4. अपना अनुक्रमांक तथा उत्तर-पत्र का क्रमांक प्रथम आवरण-पृष्ठ पर पेन से निर्धारित स्थान पर लिखें।
- 5. उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर पेन से अपना अनुक्रमांक निर्यारित स्थान पर लिखें तथा नीचे दिये वृत्तों को गाड़ा कर दें। जहाँ-जहाँ आवश्यक हो वहाँ प्रश्न-पुस्तिका का क्रमांक तथा सैट का नम्बर उचित स्थानों पर लिखें।
- 6. ओ० एम० आर० पत्र पर अनुक्रमांक संख्या, प्रश्नपुस्तिका संख्या व सेट संख्या (यदि कोई हो) तथा प्रश्नपुस्तिका पर अनुक्रमांक और ओ० एम० आर० पत्र संख्या की प्रविष्टियों में उपरिलेखन की अनुमति नहीं है।
- उपर्युक्त प्रविष्टियों में कोई भी परिवर्तन कक्ष निरीक्षक द्वारा प्रमाणित होना चाहिये अन्यया यह एक अनुचित साथन का प्रयोग माना जायेगा।
- 8. प्रश्न-पुस्तिका में प्रत्येक प्रश्न के चार वैकल्पिक उत्तर दिये गये हैं। प्रत्येक प्रश्न के वैकल्पिक उत्तर के लिए आएको उत्तर-पत्र की सम्बन्धित पंक्ति के सामने दिये गये वृत्त को उत्तर-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर दिवे गये निर्देशों के अनुसार पेन से गाड़ा करना है।
- प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए केवल एक ही वृत्त को गाड़ा करें। एक से अधिक वृत्तों को गाड़ा करने पर अथवा एक वृत्त को अपूर्ण भरने पर वह उत्तर गलत माना जायेगा।
- 10. ध्यान दें कि एक बार स्याही द्वारा अंकित उसर बदला नहीं जा सकता है। यदि आप किसी प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं, तो संबंधित पंक्ति के सामने दिये गये सभी यूत्तों को खाली छोड़ दें। ऐसे प्रश्नों पर शून्य अंक दिये जायेंगे।
- रफ कार्य के लिए प्रश्न-पुस्तिका के मुखपृष्ठ के अंदर वाला पृष्ठ तथा उत्तर-पुस्तिका के अंतिम पृष्ठ का प्रयोग करें।
- 12. परीक्षा के उपरान्त केवल औ एम आर उत्तर-पत्र परीक्षा भवन में जमा कर दें।
- 13. परीक्षा समाप्त होने से पहले परीक्षा भवन से बाहर जाने की अनुमति नहीं होगी।
- 14. यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग करता है, तो वह विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित
- दंड का/की, भागी होगा/होगी।

-.-- **.** •

20

11